Report

Geographical Survey of Mainas

IN PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENT FOR THE AWARD OF MASTERS DEGREE IN GEOGRAPHY

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

SETH G.B. PODAR COLLEGE

NAWALGARH (RAJASTHAN)

PANDIT DEENDAYAL UPADHYAYA SHEKHAWATI UNIVERSITY, SIKAR

SUBMITTED BY

ISHA YADAV

M.A./M.Sc. PREVIOUS

SESSION: 2021-22

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

SETH G.B. PODAR COLLEGE, NAWALGARH

CERTIFICATE OF COMPLETION

GEOGRAPHICAL SURVEY

In Partial Fulfillment of The Requirement For The Award of Masters Degree In Geography (M.A/M.Sc.)

Presented To

Isha Yadav

For Completing Geographical Survey of

Mainas

Prof. Shantilal Joshi
Head of Department

Dr. Satyendra Singh
Principal

Principal
Seth G.B. Podar College
Nawalgarh - 333042

सेठ ज्ञानीराम बंशीधर पोदार महाविद्यालय

नवलगढ़

सत्र - 2021-22

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय

सीकर

भौगोलिक क्षेत्रीय अध्ययन रिपोर्ट

सर्वेक्षणकर्ता

नाम - ईशा यादव

एम.ए./एम.एस.सी. प्रीवियस(भूगोल)

निर्देशक

दीपक कुमार

भूगोल विभागाध्यक्ष

विषय - सूची

1	• परिचय
2	• भोगोलिक स्थिति
3	• भौतिक स्वरूप
4	• अपवाह तंत्र
5	• जलवायु
6	• सिंचाई के साधन
7	• मिट्टी
8	• प्राकृतिक वनस्पति
9	• खनिज संपदा
10	• जनसंख्या
11	• अधिवास
12	• स्वास्थ्य सुविधाएं
13	• शिक्षा का स्तर
14	• कृषि
15	• प्रमुख मेले व त्यौहार
16	• उधोग धंधे व पशु सम्पदा
17	• संचार व मनोरंजन के साधन
18	• परिवहन के साधन
19	• ग्रामीण विकास की नवीन योजनाएं
20	• गाँव की समस्याएं
21	• गाँव के विकास हेतु सुझाव
22	• निष्कर्ष

GUIDE MAP of MAINAS

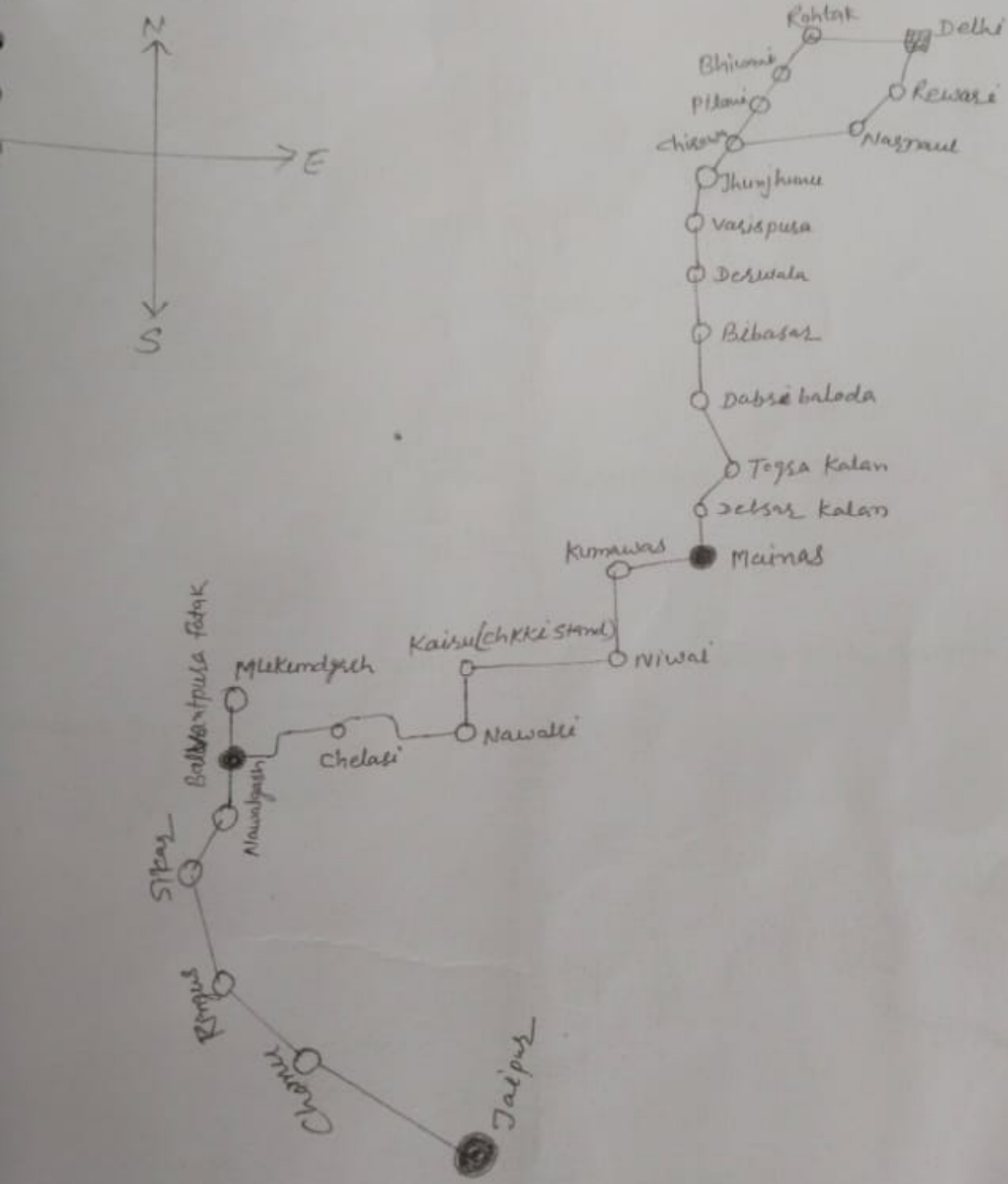

LOCATION MAP of MAINAS

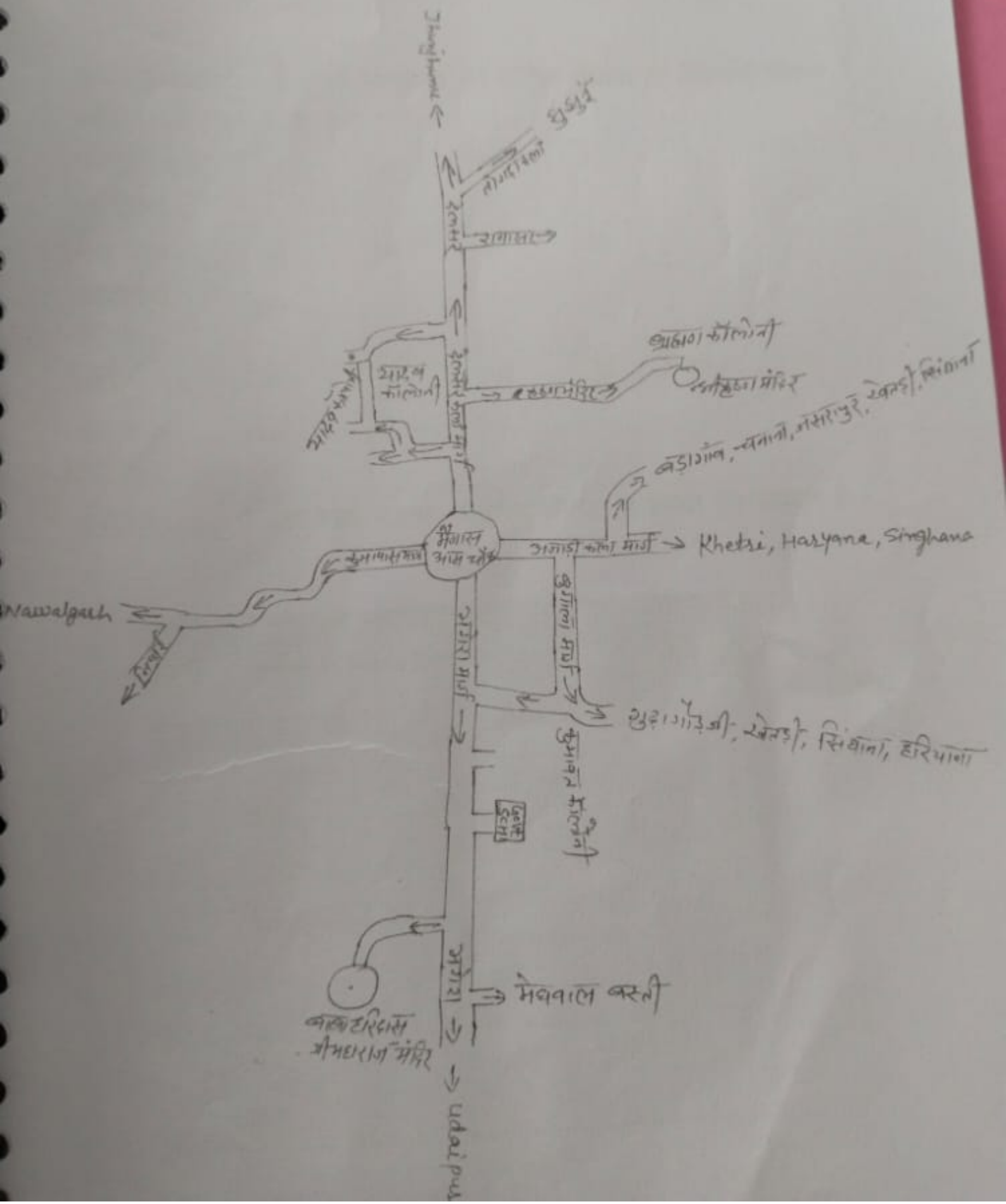

फरवरी तथा मार्च माह के तापमान का दैनिक हिसाब से निरूपण निम्न तालिका में दिया गया है -

फरवरी माह के दिन	24	25	26	27	28	29
न्यूनतम तापमान (डिग्रीC)	12	16	17	18	17	17
अधिकतम तापमान (डिग्रीC)	21	31	32	32	32	32

उपरोक्त आकड़ो का ग्राफ द्वारा प्रदर्शन निम्न से किया जा सकता है -

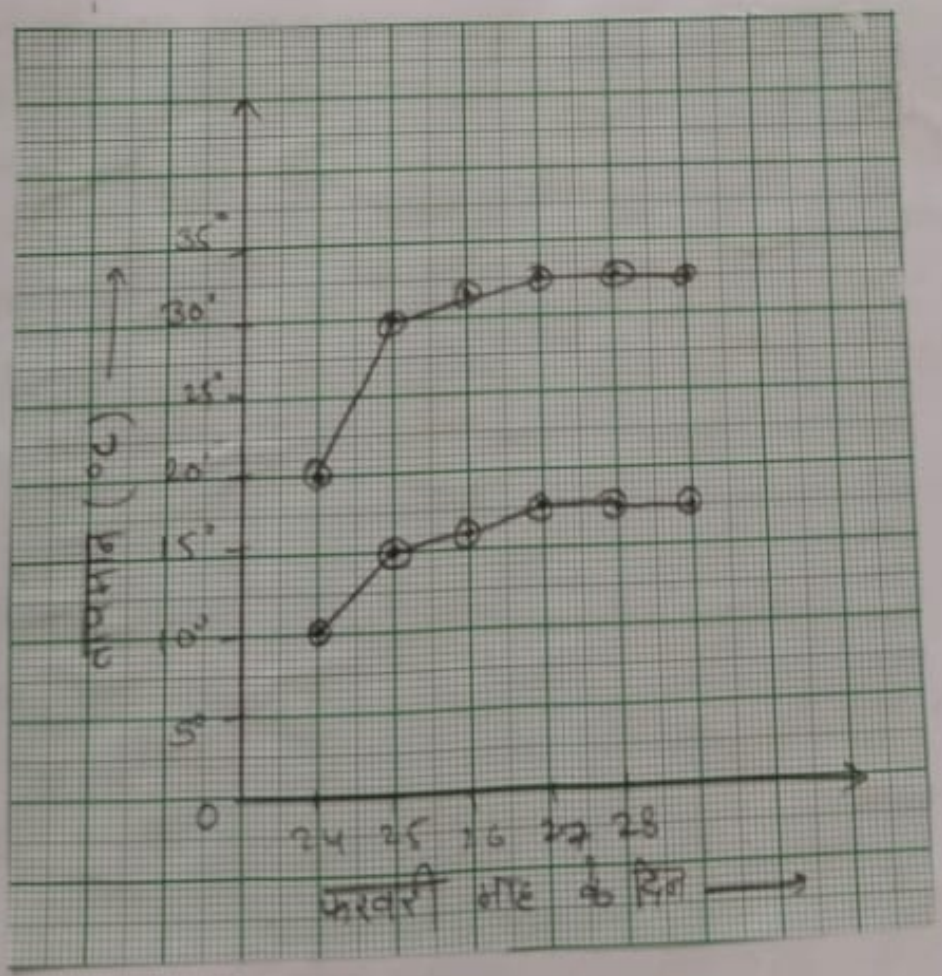

उपयोग तथा अन्य रसायनों का उपयोग किया जा रहा है । बढती हुई आबादी के दबाव से मृदा अनुपजाऊ खारीयकरण तथा कई अन्य समस्याओं से ग्रसित होती जा रही है । इस समस्या के समाधान के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर मिट्टी की उर्वरता बनायी रखने के लिए नई नई तकनीक व पद्धतियों से अवगत कराया जाता है ।

कृषि :-

अध्ययन क्षेत्र में प्रमुख रूप से रबी खरीफ की फसलें उत्पन्न की जाती है तथा गाँव के आसपास छोटे पैमाने पर जायदा की फसलें भी विकसित की जा रही है । रबी की फसल के अंतर्गत गेंहूँ , जौ, सरसों, मैथी, तारामीरा तथा खरीफ के फसल के अंतर्गत बाजरा, चोला, मुंग, ग्वार व ज्वार तथा जायदा की फसल के अंतर्गत तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, टिंडा, भिन्डी, इत्यादि विकसित किये जाते है ।

वर्तमान समय में इन फसलों के उत्पादन बढाने के लिए आधुनिक तकनिकी तथा पद्धतियों पर आधारित फसलें उगाई जाती है । रबी की फसल अक्टूबर नवम्बर में बोई जाती है तथा मार्च अप्रेल में काट ली जाती है। सिंचाई का कार्य कुएं, नलकूप के द्वारा किया जाता है । खरीफ की फसल जुलाई, अगस्त में बो कर अक्टूबर में काट लेते है । जायदा की फसल की बुवाई रबी की फसल के पश्चात की जाती है ।

जनसँख्या :-

मैणास गाँव में सघन जनसँख्या का जमाव पाया जाता है ।आबादी क्षेत्र में जनसँख्या वितरण अधिक तथा बाहरी भागों में (खेतों में) जनसँख्या का वितरण कम है यहाँ की कुल जनसंख्या 10310 है जिनमें से एस. सी के लोग 1173 एस. टी. के 195 तथा अन्य लोगों की संख्या 8942 है ।इस गाँव में पाई जाने वाली जनसँख्या का वितरण निम्न तालिका में दिया गया है -

तालिका संख्या - 3

क्र. स.	गाँव का नाम	S.C	S.T	अन्य लोग	कुल जनसँख्या
1	मैणास	1157	195	7876	9228
2	कुमावास	503	305	2555	3363
3	भगेरा	255	20	2200	2475
	योग	1915	520	12631	15066

उप ... आरेख दवारा दर्शाया जा

स ...

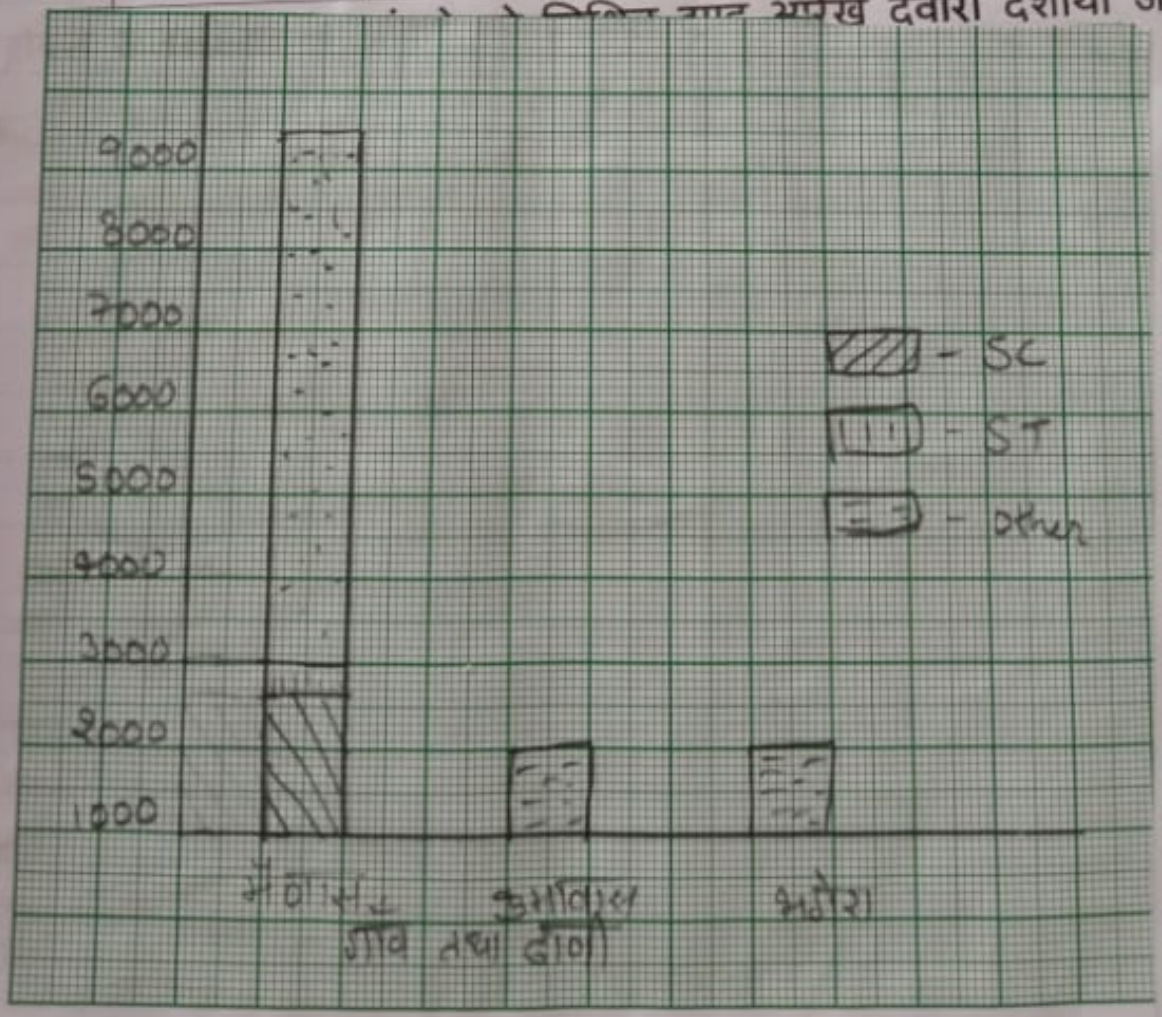

तालिका संख्या - 2

क्र.स.	गाँव	कुएं	नलकूप	हैण्डपंप	कुल योग
1	मैणास	80	20	5	105
2	कुमावास	85	22	7	114
3	भगेरा	60	15	5	80
	कुल	225	57	17	299

उपरोक्त आकड़ों की सहायता से मिश्रित रेखाचित्र द्वारा इनका निरूपण किया जा सकता है -

अधिवास :-

मैणास गाँव में अधिवासों का प्रमिरूप चौक पट्टीनुमा है । इसके साथ - साथ कुछ घर तीरनुमा प्रतिरूप का मिश्रित प्रतिरूप में भी बसे हुए है । मैणास बस स्टैंड से सरकारी विधालय व बाबा हरिदास जी महाराज के तक सीधा मार्ग है तथा गाँव में अनेक मंदिर, हवेलियाँ, स्कूल के चारों और वृताकार रूप में घर बने हुए है जिनमें अधिकांश घर पक्के है परन्तु कुछ संख्या में गरीबी रेखा से निचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या 150 है जिनके घर कच्ची इंटों से निर्मित है । इस गाँव में 1 मंजिल से लेकर बहू मंजिल तक इमारते बनी हुइ है । यहाँ की हवेलियाँ व मंदिर पुरानी तकनीकों विधियों पर आधारित है । इस गाँव में हर प्रकार की दुकान व अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त एक संजीवनी अस्पताल है जिसमें हर रविवार को उच्च योग्यताधारी डॉक्टर आते है । मैणास गाँव में कोई भी अधिवास योग्य नही स्वीकृत हुआ है यह स्थिति वर्ष 2015 – 2016 में फरवरी माह तक की है ।

उपरोक्त आरेक्त द्वारा स्पष्ट है कि मैणास गाँव में एस. सी एस. टी. तथा अन्य की संख्या 9228 है । इस आरेख से तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि मैणास गाँव में सर्वाधिक जनसँख्या पाई जाती है जिसका प्रमुख कारण यहाँ पर कृषि सुविधाओं व चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता है तालिका संख्या 4 में ग्राम के कुल परिवारों को दर्शाया गया है -

तालिका संख्या - 4

क्र. स.	गाँव का नाम	कुल परिवार	B.P.L.	A.P.L.
1	मैणास	2160	106	2054
2	कुमावास	58	1	57
3	भगेरा	262	8	254
	योग	2480	115	2365

गाँव में कुल परिवारों की संख्या 2480 है जिसमें से B.P.L. 115 तथा A.P.L. की कुल संख्या 2365 है । B.P.L. परिवार सबसे कम कुमावास में है तथा सबसे ज्यादा मैणास में पाए जाते है तथा A.P.L. परिवार सबसे ज्यादा जिनकी संख्या 2054 है मैणास में स्थिति है तथा सबसे कम कुमावास में पाये जाते है कुल परिवारों में से B.P.L., A.P.L. बहू दण्ड आरेख द्वारा दर्शाया गया है -

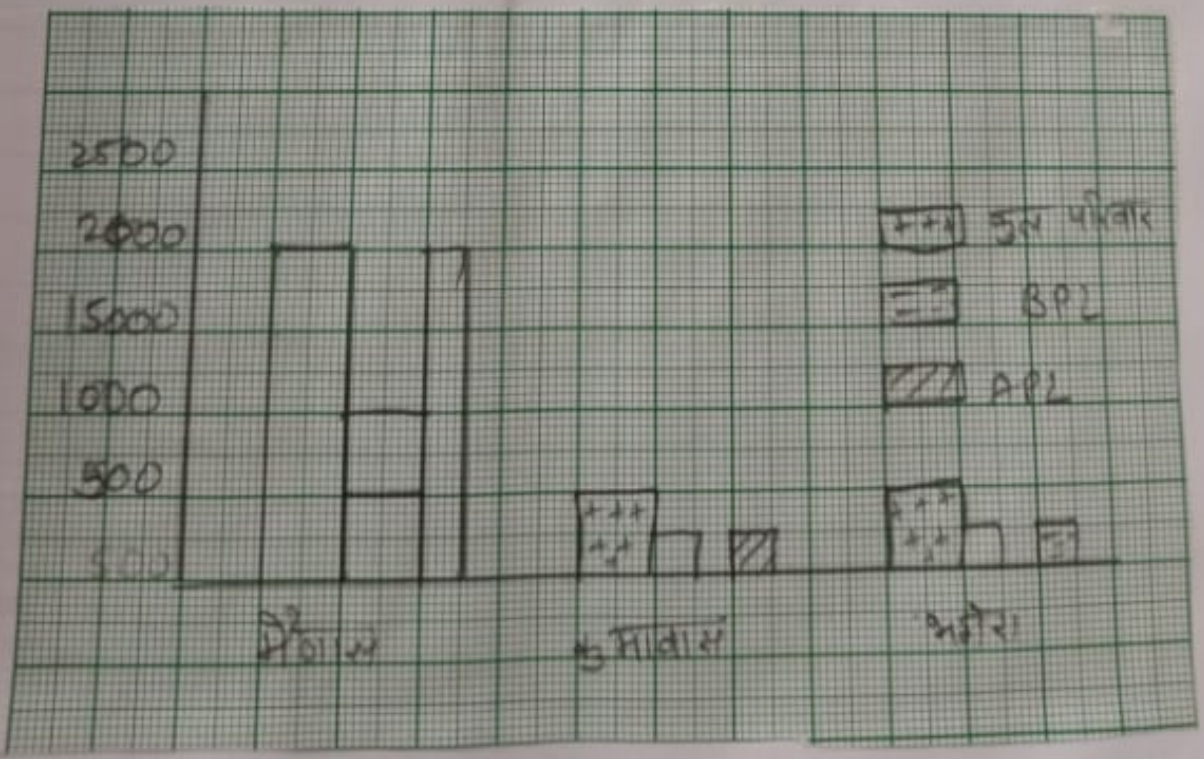

स्वास्थ्य सुविधाएं :-

मैणास गाँव में सरकारी तथा गैर सरकारी स्तर पर कई स्वास्थ्य केंद्र बने हुए है उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रति दिन लगभग 50 मरीजों का इलाज किया जाता है तथा इसी तरह प्राइवेट अस्पताल (संजीवनी) में प्रतिदिन लगभग 80 मरीजों का इलाज डॉक्टर शिवप्रसाद व कम्पाउडर विक्रम सिंह द्वारा किया जाता है । कम्पाउडर विक्रम सिंह मरीजों की देखभाल अच्छे तरह से करता है । इस गाँव में आयुर्वेदिक दवाइयों के द्वारा भी रोगों का निदान किया जाता है ।

प्राकृतिक वनस्पति :-

अध्ययन क्षेत्र में प्राकृतिक वनस्पति का विवरण बहुत ही कम है तथा वनस्पति की सघनता कम होने के साथ - साथ यहाँ पर ऊष्ण कटिबंधीय गुण वाली वनस्पति पाई जाती है । चूँकि मैणास अर्द्ध शुष्क जलवायु के अंतर्गत सिथत होने के कारण इस क्षेत्र में अर्द्ध शुष्क या अर्द्ध मरुस्थलीय वनस्पति पाई जाती है । प्राकृतिक वनस्पति के विकास में जलवायु व मृदा का महत्वपूर्ण योगदान होता है इस क्षेत्र के अंतर्गत खेजड़ी, बबूल, कंटिली झाड़ियाँ, नीम, शीशम, बरगद, शहतूत, नींबू, पपीता, अमरुद इत्यादि फलों वाले पौधे भी उपलब्ध है । वर्तमान समय में यहाँ पर बागवानी पौधों के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है परिणामत: घरों तथा खेतों में बड़े पैमाने पर फलदार पौधे विकसित हो रहे है । यहाँ पर पतझड़ वृक्ष भी उपलब्ध है जो ग्रीष्म ऋतु आने से पूर्व ही अपने पत्ते गिरा देते है चूँकि अध्ययन क्षेत्र में चारागाह का कोई क्षेत्र चिन्हित नही किया गया है ।

मिट्टी :-

अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी अधिकाशत: बलुई तथा चिकनी मिट्टी है चूँकि मिट्टी का रंग संरचना बनावट मूल चट्टानों की संरचना पर निर्भर करता है ।इस मिट्टी में पौषक तत्वों की कमी होने पर रासायनिक उर्वरकों के उपयोग द्वारा पूर्ति की जाती है ।मैणास गाँव का कुल क्षेत्रफल 1193.98 हैक्टर है जिसमें से कृषि योग्य क्षेत्रफल 705.28 हैक्टर है चूँकि 55 प्रतिशत भू भाग ही कृषि योग्य है । 140.42 हैक्टर जोहड़ के अंतर्गत है अत: कुल भूमि का 10 प्रतिशत भाग बिना उपयोग के मार्गों तथा जोहड़ के रूप में पड़ा है ।मरुस्थलीयकरण की प्रक्रिया द्वारा अध्ययन क्षेत्र की मृदा अनुपजाऊ होती जा रही है ।

सघन कृषि के कारण मृदा में निरंतर पौषक तत्वों में कमी आ रही है ।इस कमी को दूर करने के लिए रासायनिक उर्वरकों, जैविक व गोबर की खाद का उपयोग किया जाता है ।

खनिज सम्पदा:-

वर्तमान समय में मैणास गाँव में किसी प्रकार के खनिज का विशेष तौर पर खनन नहीं किया जा रहा है। नई खोजों तथा शोधकार्यों के आधार पर इस क्षेत्र में खनिज उपलब्ध होने की सम्भावना है। यहाँ श्याम मंदिर, दुर्गा माता मंदिर, शिव मंदिर, गोगा जी मंदिर, खेतरपाल जी महाराज आदि मंदिर है।

शिक्षा का स्तर: -

मैणास गाँव में शिक्षा की दृष्टि से अच्छा वातावरण बना हुआ है प्राचीन काल से ही यहाँ पर शैक्षणिक दृष्टि से टैगोर विधा बाल निकेतन उच्च मा. वि. संचालित थी। वर्तमान समय में 1 सरकारी सीनियर स्कूल, 2 उच्च प्राथमिक सरकारी स्कूल तथा 1 प्राइवेट सीनियर स्कूल, 3 इंग्लिश मीडियम उच्च प्राथमिक स्कूल संचालित है। यहाँ पर आसपास के गांवों (देलसर कलां, तोगडा कलां, तोगडा खुर्द, राणासर) से बच्चे पढने के लिए आते है।

उधोग धन्धे: -

मैणास गाँव में कई लघु उधोग संचालित है । जिनमें वार्ड नं 11 में कॉपी उधोग संचालित है इसी तरह तोगडा खुर्द के रास्ते पर बिल्डिंग मेटेरियल का उधोग व भगेरा रास्ते पर पत्थर उधोग चल रहा है । इसके अतिरिक्त किराणा, हार्डवेयर, मिठाई, ई मित्र, आटा चक्की, कपडा शोरुम, फुटवियर फर्नीचर आदि दुकानें भी संचालित है ।

पशु सम्पदा :-

मैणास गाँव पशु संपदा की दृष्टि से शेखावाटी में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है, यहाँ पर उतम नस्ल की गायें, भेड़, बकरी, ऊंट, भैस, घोड़ा आदि पाए जाते है । यहाँ पर घोड़ों को नृत्य सिखलाने का कार्य भी किया जाता है ।

प्रमुख मेले व त्यौहार :-

मैणास गाँव में विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते है तथा लोगों की भिन्न भिन्न धर्मों में आस्था होने पर यहाँ कई प्रकार के मेले समय समय पर आयोजित किये जाते है । जैसे बाबा हरिदास जी महाराज का मेला वर्ष में एक बार भरता है ।

संचार व मनोरंजन के साधन :-

किसी क्षेत्र के विकास का परिचायक संचार व मनोरंजन के साधनों पर निर्भर करता है । चूँकि मैणास गाँव में 3 मोबाईल टावर जो विभिन्न कम्पनियों से संबंधित है एक पोस्ट ऑफिस तथा 85 प्रतिशत लोगों के घरों में टेलीविजन, मोबाईल सुविधा है ।

परिवहन के साधन :-

किसी क्षेत्र के आर्थिक विकास में परिवहन के साधनो का बहुत बड़ा योगदान है इनके द्वारा आवश्यक माल को मंगाने, अतिरिक्त उत्पादन को बहार भेजने व अपने क्षेत्र में नवाचारों के आने का महत्वपूर्ण कार्य सम्पादित होता है । चूँकि मैणास गाँव सड़क परिवहन से जुड़ा हुआ है ।

इस गाँव से होती हुई झुंझुनूं - जयपुर, नवलगढ़ - झुंझुनूं, मुकुंदगढ़ - गुढ़ागौडजी, नवलगढ़ - ऊबली का बालाजी आदि रूटों पर निजी बसें दिनभर दौड़ती है । सबसे पहली बस सुबह 5.30 बजे जयपुर के लिए जाती है अंतिम बस झुंझुनू से शाम को 7.45 पर आती है ।

यातायात के साधनों में यहाँ बस, ट्रक, जीप, कार, मोटर साईकल, साईकल, ऊंटगाड़ी आदि साधन विकसित है ।

1 गाँव में बढती हुई जनसँख्या तथा प्रदुषण के कारक गाँव के प्राकृतिक सौन्दर्य व वातावरण पर विपरीत प्रभाव डालते है ।

2 गाँव में चारागाह के अभाव के कारण मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया तेजी से बढती जा रही है ।

3 अत्यधिक जनसँख्या वृद्धि व बेरोजगारी के कारण गाँव में गरीबी का स्तर बदने लगा है ।

4 गाँव में नालियों व पानी की टंकी की सफाई समय समय पर नहीं होने से मौसमी बिमारियों का प्रकोप बना रहता है ।